POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A - 2 (Sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College,
Tajpur, Samastipur

राजनीतिक व्यवस्था का अर्थ

राजनीतिक व्यवस्था का तात्पर्य राजनीतिक व्यवस्था के विभिन्न तत्वों में सुव्यवस्था से लिया जाता है। राजनीतिक व्यवस्था कोई स्वतंत्र इकाई नहीं होती। यह समाज व्यवस्था की अनेक उपव्यवस्थाओं में से एक उपव्यवस्था है। ईस्टन ने राजनीतिक व्यवस्था को परिभाषित करते हुए कहा है कि किसी समाज में पारस्परिक क्रियाओं की ऐसी व्यवस्था को जिससे उस समाज में बाध्यकारी या अधिकारपूर्ण नीति - निर्धारण होते हैं, राजनीतिक व्यवस्था कहा जाता है।"

राजनीतिक व्यवस्था के लक्षण

राजनीतिक व्यवस्था के कुछ आधारभूत लक्षण होते हैं जिसके आधार पर यह अन्य उपव्यवस्थाओं में से एक होते हुए भी उससे भिन्न होती है एवं विलक्षण भी हो जाती है। यह अन्य व्यवस्थाओं को आदेश देने वाली बाध्यकारी शक्ति रखती है। राजनीतिक व्यवस्था के आदेश का पालन सामान्यतया अन्य व्यवस्थाओं द्वारा किया जाता है।

Scanned with CamScanner